RAPID ACTION FORCE

Rapid Action Force (RAF) is a specialized force which has been created to restore peace & harmony and preserve life and property during social disturbances and natural calamity etc. It is a specially selected, trained and equipped Force within the Central Reserve Police Force (CRPF) and was raised in October 1992. Ten CRPF Battalions were thus trained and re-organized into RAF and are stationed in Ahmedabad, Aligarh, Allahabad, Bhopal, Coimbatore, Delhi, Secunderabad, Jamshedpur, Meerut and Mumbai.

With the motto "Serving Humanity Through Sensitive Policing", RAF with its component of Mahila Personnel, seeks to control communal flare-ups and violence using minimum force. The objective of this impartial and zero response time Force is not to kill or maim but to effectively dissuade the rioters.

This young Force is a proud recipient of the President's colour in the 11th year of coming into existence, during the RAF Anniversary on October 7, 2003 in Delhi.

Dressed in blue disrupted pattern uniform symbolizing peace, especially trained and equipped with non – lethal weaponry, the RAF personnel instill immediate sense of security and confidence amongst the general public and victims of riots, violence and natural calamities. Hence, this force is in great demand by the states to manage various crisis situations. RAF has a consistent record of zero tolerance for human rights violations.

The Rapid Action Force has also rendered invaluable humanitarian services during 1993 floods in Delhi, 1994 Plague in Surat, 1995 floods in Punjab and Himachal Pradesh, 1997 super cyclone in Orissa, 2001 earthquake in Gujarat, 2004 Tsunami in South India and during heavy floods in Maharashtra and Gujarat in 2005 and 2006, 2011 and 2012, farmers' agitation in Gautambudh Nagar (UP) and during unrest in Assam. RAF earned laurels from not only the State administrations but also from the general public for helping them during difficult times.

Frequent familiarization exercises covering sensitive areas are done by RAF units to keep them abreast of all developments on various social and law and order fronts. RAF also undertakes civic action programmes in its area of responsibility by selecting socially useful activities and establishes instant rapport with general public which is very helpful in restoring peace and harmony during the times of disturbances.

RAF has further proved its worth in the international arena by deputing special contingents for United Nations Peace Keeping efforts in Haiti in 1995 and in Kosovo from 2000 to 2005. On a special request by United Nations, Govt. of India advised CRPF to deploy a Female Formed Police Unit (FFPU) on United National Peace Keeping Mission in Liberia (West Africa). RAF selected, trained and equipped this contingent successfully, and, for the first time in the history of the United Nations, a fully operational female contingent of RAF was deployed in Monrovia (Liberia) in January 2007. This Female Formed Police Unit, with their dedication and hard work achieved excellent operational successes by recovering sophisticated arms, ammunition and explosives as well as large quantity of contraband items including drugs, and earned appreciations from all quarters at the international level.

The RAF is completing 25 glorious years of service to the nation in 2017. Department of Posts is pleased to issue a postage stamp to commemorate the silver jubilee at Rapid Action Force.

Credits:-

Text	:	Based on the material received from proponent
Stamps / Frist Day Cover/ Brochure	:	Shri Kamleshwar Singh
Cancellation Cachet	:	Smt Nenu Gupta

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

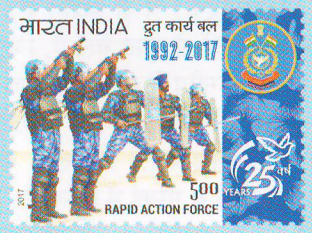

25 वर्ष YEARS

1992-2017

द्रुत कार्य बल

RAPID ACTION FORCE

विवरणिका BROCHURE

द्रुत कार्य बल

द्रुत कार्य बल एक विशेष बल है, जिसका गठन साम्प्रदायिक दंगों और प्राकृतिक आपदा आदि के दौरान पुन शांति एवं सद्भाव स्थापित करने तथा जान-माल की रक्षा करने के लिए किया गया है। यह, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में से विशेष रूप से चुने गए जवानों का प्रशिक्षित और अस्त्रों-शस्त्रों से युक्त बल है, जिसका गठन 1992 में किया गया था। इस प्रकार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 10 बटालियनों को द्रुत कार्य बल के रूप में प्रशिक्षित और पुनर्गठित किया गया, जो अहमदाबाद, अलीगढ़, इलाहाबाद, भोपाल, कोयम्बटूर, दिल्ली, सिकन्दराबाद, जमशेदपुर, मेरठ व मुम्बई में स्थित हैं।

''संवेदनशील पुलिस व्यवस्था के माध्यम से मानवता की सेवा'' के आदर्श के साथ कार्य करने वाले इस विशेष बल में महिला कर्मियों की भी तैनाती रहती है। यह बल कम से कम शक्ति का प्रयोग करते हुए, उपद्रव तथा सांप्रदायिक हिंसा को नियंत्रित करने में दक्षता रखता है। जीरो रिस्पांस टाइम व निष्पक्षता से कार्य करने वाले द्रुत कार्य बल का उद्देश्य उपद्रवियों को मारना या उन्हें पंगु बनाना नहीं है, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से रोकना है।

इस बल के लिए बड़े गर्व की बात है कि अपनी स्थापना के 11वें वर्ष में ही इस युवा बल को 7 अक्तूबर, 2003 को दिल्ली में द्रुत कार्य बल की वर्षगांठ परेड के दौरान राष्ट्रपति का ध्वज प्राप्त हुआ।

शांति की प्रतीक हल्के व गहरे नीले रंग की वर्दी पहने, विशेष रूप से प्रशिक्षित व अघातक अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित इस बल के जवान दंगों, अन्य हिंसा व प्राकृतिक आपदाओं से घिरे जनमानस में तुरन्त सुरक्षा एवं विश्वास का भाव पैदा कर देते हैं। इसी कारण विभिन्न संकट की स्थितियों को नियंत्रित करने के लिए राज्यों में द्रुत कार्य बल की मांग की जाती है। यह बल मानवाधिकारों के मामलों में अत्यधिक कड़ा रूख अपनाता है।

द्रुत कार्य बल ने प्राकृतिक आपदाओं में भी अमूल्य लोकोपकारी सेवाएं प्रदान की हैं। 1993 में दिल्ली के इलाकों में आई बाढ़, 1994 में सूरत में प्लेग, 1997 में उड़ीसा में आया महाचक्रवात, 2001 में गुजरात में आया भूकंप, 2004 में दक्षिण भारत में सुनामी, महाराष्ट्र और गुजरात में 2005 एवं 2006 में आई भयंकर बाढ़, 2011 और 2012 में गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) में किसान आंदोलन तथा असम में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान द्रुत कार्य बल के जवानों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। द्रुत कार्य बल की न केवल राज्य प्रशासनों ने सराहना की है, बल्कि संकट के समय आम जनता की सहायता करके, उनसे भी सराहना प्राप्त की है।

इस विशिष्ट बल द्वारा संवदेनशील क्षेत्रों को कवर करते हुए, विभिन्न सामाजिक और कानूनी क्षेत्रों में हो रहे बदलावों की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए अक्सर परिचय अभ्यास किए जाते हैं। द्रुत कार्य बल अपने कार्यक्षेत्र में सामाजिक रूप से उपयोगी नागरिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं और आम जनता के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाते हैं, जो उपद्रव के दौरान शांति और सद्भाव बनाए रखने में बहुत सहायक होते हैं।

इस बल ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति बनाए रखने के प्रयासों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बल की विशेष टुकड़ी, संयुक्त राष्ट्र शांति प्रयासों में 1995 में हैती तथा 2000 से 2005 तक कोसोवो में तैनात रही। संयुक्त राष्ट्र के विशेष अनुरोध पर, पश्चिम अफ्रीका के देश लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के शांति प्रयासों हेतु भारत सरकार ने के.रि.पु.ब. (सीआरपीएफ) को महिला पुलिस दस्ता तैनात करने की सलाह दी। द्रुत कार्य बल ने इस दस्ते का चयन, प्रशिक्षण तथा सुसज्जित करने का दायित्व सफलतापूर्वक पूरा किया। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में पहली बार एक पूर्ण महिला दस्ता जनवरी, 2007 में मोनरोविया (लाइबेरिया) में तैनात किया गया। अपने कठोर परिश्रम एवं समर्पण की भावना से इस महिला पुलिस यूनिट ने उत्कृष्ट सांग्रामिक सफलताएं हासिल की हैं, जिनमें अत्याधुनिक हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, मादक द्रव्य सहित बड़ी मात्रा में निषिद्ध माल की बरामदगी शामिल है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

द्रुत कार्य बल 2017 में राष्ट्र को समर्पित अपनी सेवाओं के 25 गौरवशाली वर्ष पूरे कर रहा है। डाक विभाग द्रुत कार्य बल की रजत-जयंती के अवसर पर डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/
विवरणिका : श्री कमलेशवर सिंह

विरूपण : श्रीमति निनु गुप्ता

भारतीय डाक
India Post

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	655500
Stamps Printed	:	655500
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00